

गमन पुं. (तत्.) 1. जाना, चलना, यात्रा करना 2. दूसरे स्थान को प्राप्त करना 3. संभोग, मैथुन 4. राह, रास्ता 5. सवारी आदि जिनकी सहायता से यात्रा की जाए 6. प्राप्त करना, पहुँचाना।

गमना अ.क्रि. (तद्.) 1. जाना, चलना 2. गम करना, शोक करना।

गमनागमन पुं. (तत्.) आना-जाना, यातायात।

गमला पुं. (देश.) 1. मिट्टी का बर्तन जिसमें फूल के पौधे लगाए जाते हैं 2. पाखाना करने का, चीनी मिट्टी का पात्र, कमोड।

गमागम पुं. (तत्.) आना-जाना।

गमि स्त्री. (तत्.) पहुँच, पैठ, प्रवेश।

गमी वि. (तत्.) जाने वाला, गमन करने वाला पुं. पथिक, यात्री स्त्री. (अर.) 1. शोक की अवस्था या काल 2. मृत्यु/मरनी।

गम्य वि. (तत्.) 1. जाने योग्य, गमन योग्य 2. प्राप्य, लभ्य 3. गमन करने योग्य 4. संभोग करने योग्य 5. समझ में आ जाने वाला, सुबोध।

गयंद पुं. (तत्.) 1. बड़ा हाथी 2. दोहे का एक भेद।

गय पुं. (तत्.) 1. घर, मकान 2. अंतरिक्ष, आकाश 3. धन 4. प्राण 5. राम की सेना का एक सेनापति 6. महाभारत के अनुसार एक राजर्षि का नाम 7. पुत्र 8. एक असुर का नाम 9. गया नामक तीर्थ 10 गज, हाथी।

गया पुं. (तत्.) बिहार या मगध देश का एक विशेष तीर्थ स्थान जिसका उल्लेख महाभारत वाल्मीकि रामायण और पुराणों में मिलता है। स्त्री. गया तीर्थ में होने वाली पिंडोदक आदि क्रियाएँ। अ.क्रि. (देश.) 1. जाना, क्रिया या भूत कालिक रूप, प्रस्थापित हुआ 2. गुजरा, बीता, निकृष्ट, फटे हाल वाला, दीन दशा को प्राप्त मुहा. गया गुजरा या गया बीता- बुरी दशा को पहुँचा हुआ।

गयाल स्त्री. (देश.) वह जायदाद जिसका कोई उत्तराधिकारी या दावेदार न हो।

गर पुं. (तत्.) 1. एक कड़वा पेय 2. एक रोग जिसमें मूर्च्छा आती है 3. विष, जहर 4. निगलना, प्रत्यय (फा.) 1. बनाने वाला 2. करने वाला, गला गर्दन।

गांभीर्य पुं. (तत्.) 1. गहराई, गंभीरता 2. स्थिरता, अचंचलता 3. शांति का भाव 4. धीरता 5. गहनता, जटिलता

गाफिल वि. (अर.) 1. बेसुध, बेखबर 2. बेपरवाह।

गाभिन वि. (तद्.) गाय, भैस, आदि पशु जो गर्भिणी हो पुं. (अ.) पंग, कदम, डग, लगाम

गरक वि. (अर.) 1. डूबा हुआ, निमग्न 2. विलुप्त, नष्ट, तबाह, बरबाद 3. लीन (किसी कार्य आदि में) मग्नस्त्री. (अर.) 1. वह ज़मीन जो पानी में डूबी रहे 2. लँगोटी 3. बाढ़ 4. डूबने की क्रिया या भाव 5. गराड़ी 6. वह नीची भूमि जो प्रायः बाढ़ के कारण डूब जाती है मुहा. किसी को गरकी देना- बहुत अधिक कष्ट या दुख देना।

गरकाब वि. (अर.) 1. निमग्न, डूबा हुआ 2. बहुत अधिक लीन पुं. (फा.) डूबने की क्रिया या भाव।

गरगज़ पुं. (अर.) 1. किले की चहार दीवारी का बुर्ज, जिस पर तोप चढ़ी रहती है 2. युद्ध सामग्री रखने के लिए बना हुआ टीला 4. ऊपर की छत 4. फ़ाँसी की टिकठी, वह तख्ता जिस पर फ़ाँसी देने के लिए अपराधी को खड़ा किया जाता है।

गरचे स्त्री. (अर.) दे. गरज, यद्यपि, हालांकि।

गरज स्त्री. (अर.) 1. आशय, प्रयोजन, मतलब 2. आवश्यकता, जरूरत 3. चाह, इच्छा मुहा. गरज का बावला- अपनी गरज के लिए सब कुछ करने वाला; गरज कि- मतलब यह कि तात्पर्य यह कि क्रि.वि. 1. निदान, आखिरकार, अंततोगत्वा, अस्तु 2. भला, अच्छा, खैर 3. गरजने की क्रिया या भाव स्त्री. (तत्.) 1. ऊँची, गंभीर आवाज 2. शेर की दहाड़, वीरों की आवाज स्त्री. (तत्.) गर्जना, गंभीर शब्द, गरज।

गरजन पुं. (तद्.) 1. गंभीर शब्द, गरज, कड़क 2. गरजने का भाव 3. गरजने की क्रिया।